## -:प्रेस नोट:-

**दिनांक- 06.11.2025**

# कार्यालय पुलिस अधीक्षक बांदा

❖ **भारत सरकार के साइबर क्राइम पोर्टल (I4C) से प्राप्त सूचना पर जनपद के सभी बैंकों से समन्वय स्थापित कर अभियान के तहत साइबर ठगी, डिजिटल फ्रॉड आदि ऑनलाइन अपराधों पर रोकथाम हेतु साइबर क्राइम बांदा द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान।**

**विवरण-** भारत सरकार के साइबर क्राइम पोर्टल (I4C) से प्राप्त सूचना के आधार पर जनपद बांदा से संबंधित कुल 49 मोबाइल नंबर एवं 113 बैंक खातों की पहचान की गई है, जिनमें से लगभग 96 मोबाइल नंबरों व बैंक खातों के माध्यम से साइबर ठगी, डिजिटल फ्रॉड, फिशिंग एवं अन्य ऑनलाइन अपराधों में धन का लेन-देन संदिग्ध साइबर ट्रांजैक्शन जैसी गतिविधियाँ जुड़ी पाई गई हैं। साइबर पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए जनपद के विभिन्न बैंकों के सहयोग से उक्त मोबाइल नंबरों एवं खातों की गहन जांच व सत्यापन की कार्यवाही की गई। प्राप्त विवरणों के आधार पर संबंधित व्यक्तियों एवं खातों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है साथ ही साइबर पोर्टल से मिली जानकारी के अनुसार कुछ मोबाइल नंबरों पर संदिग्ध वित्तीय लेनदेन (Fraudulent Transactions) के प्रमाण मिले हैं। जिनकी जांच साइबर पुलिस द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 06.11.2025 को जनपद की सभी बैंकों मे जागरुकता अभियान चलाया गया है। इस दौरान लोगों को वर्तमान में आधुनिक तरीकों से होने वाले साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिसमें- केवाईसी अपडेट के नाम पर फर्जी कॉल्स या लिंक भेजकर उपयोगकर्ताओं से उनके निजी और बैंकिंग डिटेल्स मांगना। ओटीपी फ्रॉड जिसमें कॉल या मैसेज के ज़रिए उपयोगकर्ताओं से ओटीपी लेकर उनके बैंक खातों से पैसे ट्रांसफर करना। यूपीआई स्कैम (UPI Scam), सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी कॉल्स, आदि प्रकार के साइबर अपराधों के बारें में जानकारी देकर जागरूक किया गया साथ ही आमजन से अपील है कि अनजान व्यक्ति/अनजान फोन नम्बर के संपर्क मे ना रहें यदि अनजान व्यक्ति के द्वारा आपके बैंक खातों में किसी प्रकार के ट्रांजेक्शन किए जाते हैं तो तत्काल अपने बैंक, नजदीकी पुलिस स्टेशन, साइबर क्राइम पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) या साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल कर तुरंत शिकायत दर्ज कराए।